SELCO FOUNDATION

Date :

HISTORY (H)
B.A. — II.
UNIT — II Sultanate.

→ सल्तनत कालीन चित्रकारी :-

मुस्लिम आक्रमण से पूर्व भारत में चित्रकारी का हिन्दू, बौद्ध एवं जैन चित्रकला के अंतर्गत काफी विकास हुआ था; परन्तु अजन्ता चित्रकारी के बाद भारतीय चित्र-कला का विकास अवरुद्ध सा हो गया।

कुरान की व्यवस्था के अनुसार - " किसी मनुष्य, पशु पक्षी या जीवधारी का चित्र बनाना पूर्णतः प्रतिबंधित था। संभवतः सल्तनतकाल में चित्र-कला का विकास न हो सका यही सबसे महत्वपूर्ण कारण था। लेकिन फिर भी सल्तनत

Scanned with CamScanner

काल में चित्र कला के कुछ प्रमाण मिलते हैं।

14वीं शताब्दी के बाद के वर्षों में सर्वप्रथम, मुहम्मद अब्दुल्ला ने यह विचार प्रस्तुत किया कि दिल्ली सल्तनत काल में चित्रकला का अस्तित्व था।

1353 ई० में मुहम्मद तुगलक के समय एक ऐसा चित्र प्राप्त हुआ जिसमें एक संगीत संगोष्ठी का चित्रण किया गया है। तथा स्त्रियाँ सुल्तान के समक्ष वीणा और सितार बजा रही है। एक स्त्री शराब का प्याला राजा को परोश रही है।

संभवतः यह चित्र 'शाहपुर' द्वारा बनाया गया था। इसके अतिरिक्त चित्रकारी के कुछ अवशेष सल्तनतकालीन कुर्सी, मेज, अस्त्र-शस्त्र, बर्तन आदि पर भी दिखाई

Scanned with CamScanner

Date :

पढ़ते है।

इससे स्पष्ट हो जाता है कि सल्तनतकालीन शासकों के हृदय में चित्रकला के प्रति घृणा की भावना नहीं थी।

8) संगीत :-

दिल्ली सल्तनत शासक जैसे- बलबन, जलालुद्दीन खिलजी अलाउद्दीन खिलजी तथा मुहम्मद बिन तुगलक के संगीत के प्रति बिन तुगलक के संगीत के प्रति रूची होने के कारण संगीत का आयोजन करवाया करता था।

सिकन्दर लोदी को शहनाई सुनने का शौक था। इस काल में सूफी संतो ने भी संगीत का योगदान किया।

कैकूबाद ने संगीत भाट एवं गजल गायकों को काफी संरक्षण प्रदान किया।

Scanned with CamScanner

Date :

इस काल में प्रचलित ख्याल गायकी के आविष्कार का श्रेय सुल्तान हुसैन शाह शर्की को दिया जाता है।

कव्वाली गायन शैली का प्रचलन भी सल्तनत काल से प्रारंभ हुआ। सल्तनत काल में अनेक वाद्ययंत्र जैसे - सारंगी सितार तथा तबला का प्रचलन था।

- अमीर खुसरो :-

अमीर खुसरो को तबले व सितार के आविष्कार का श्रेय दिया जाता है।

सर्वप्रथम अमीर खुसरो ने भारतीय संगीत में कव्वाली गायन को प्रचलित किया। अमीर खुसरो को भारत का 'तोता' नाम से भी जाना जाता है।

इस समय दक्षिण भारत में संगीत पर आधारित

Date :

कुछ महत्वपूर्ण पुस्तकों की भी रचना हुई - जैसे - स्वरल्नाकर, संगीत समयसार, संगीत कौमुदी, संगीत नारायण आदि।

मुहम्मद बिन तुगलक के बारे में कहा गया है कि जब वह सिंहासन पर बैठता था तो जन-साधारण के लिए 40 दिन का संगीत गोष्ठी का प्रबंध किया गया था।

DR. UDAY KUMAR
DR. L.K.V.D. College, Tajpur

Scanned with CamScanner